अनुलग्नक–ए

रेलवे बोर्ड के पत्रांक सं0 2008/टी0जी0–I/1/पी/टार्गेट दिनांक 25.06.2008 के संदर्भ में आरम्भिक यात्री आय

वर्तमान वित्तीय वर्ष के सितम्बर 2015 में आरम्भिक यात्री यातायात एवं आय का गत वर्ष के इसी माह/लक्ष्य एवं प्रोजेक्टेड लक्ष्य के साथ तुलनात्मक विवरण निम्नलिखित तालिका में इंगित हैः–

विवरण	सितम्बर '14 वास्तविक	सितम्बर '15 लक्ष्य	सितम्बर '15 वास्तविक	प्रतिशत अन्तर	
				अगस्त '15 लक्ष्य	अगस्त '14 वास्तविक
आरम्भिक यात्री यातायात (मिलियन में)	17.85	18.80	18.78	- 0.11	5.21
.आरम्भिक यात्री आय (करोड़ रू0 में)	124.74	146.08	133.18	- 8.83	6.77

विवरण	सितम्बर '14 वास्तविक	**सितम्बर '15 प्रोजेक्टेड लक्ष्य**	सितम्बर '15 वास्तविक	प्रतिशत अन्तर	
				सितम्बर '15 प्रोजेक्टेड लक्ष्य	सितम्बर'14 वास्तविक
आरम्भिक यात्री यातायात(मिलियन में)	17.85	18.85	18.78	**- 0.37**	5.21
आरम्भिक यात्री आय (करोड़ रू0 में)	124.74	146.16	133.18	**- 8.88**	6.77

माह सितम्बर'15 में आरम्भिक यात्री यातायात में प्रोजेक्टेड लक्ष्य की तुलना में 0.37 प्रतिशत की ऑशिक कमी हुई है एवं गत वर्ष के इसी माह की तुलना में 5.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आरम्भिक यात्री आय में गत वर्ष के इसी माह की तुलना में 6.77 प्रतिशत की वृद्धि एवं प्रोजेक्टेड लक्ष्य की तुलना में 8.88 प्रतिशत की कमी हुई है जिसका मुख्य कारण निम्नलिखित हैः–

- पी0आर0एस0 संवर्ग विशेषकर शयनयान श्रेणी में यात्री सं0 में कमी।
- दिनांक 01.04.2015 से छपरा जं0 थावे प्रखण्ड का बी0जी0 आमान परिवर्तन के कारण बन्द रहने एवं बढ़नी–बलरामपुर एवं बलरामपुर–गोण्डा जं0 प्रखण्ड आमान परिवर्तन के कारण पिछले वर्ष (जनवरी/फरवरी 2014/15.4.2014 से) से बन्द चलने से यात्री यातायात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

आय में वृद्धि हेतु निम्न प्रयास किये गयेः–

1. दैनिक आधार पर यात्री गाड़ियों में सितम्बर '14 में 93 अतिरिक्त कोचों की तुलना में सितम्बर '15 में 11 कोच लगाये गये। गाड़ियों में नियमित आरक्षित कोच लगाये जाने के कारण अतिरिक्त आरक्षित कोच संख्या में कमी आई।
2. सितम्बर '14 में 000 विशेष गाड़ियों की तुलना में सितम्बर'15 में 000 विशेष गाड़ियां चलाई गयीं।
3. सघन टिकट जॉच अभियान का नियमित संचालन। माह सितम्बर'14 में आयोजित सघन जॉच अभियान 2528 की तुलना में माह सितम्बर'15 में 2572 जॉच अभियान आयोजित किये गये।
4. यात्री गाड़ियों की समीक्षा पी0पी0एम0 के माध्यम से नियमित रूप से की जा रही है।